राज्य आनंद संस्थान

वर्ष : 2, अंक - 2
माह - दिसंबर 2022
www.anandsansthanmp.in

राज्य आनंद संस्थान में एक सैकड़ा से अधिक हुए मास्टर ट्रेनर्स

मध्यप्रदेश राज्य आनंद संस्थान अपने कार्यक्रमों को विस्तार देते हुए प्रदेश के हर जिले में मास्टर ट्रेनर्स की उपलब्धता सुनिश्चित करने हेतु प्रयासरत है। इस क्रम में इस वर्ष तीन प्रशिक्षकों का प्रशिक्षण कराया जाकर कुल 109 मास्टर ट्रेनर तैयार कर लिया है। इसके पहले अपने स्थापना काल से लेकर विगत वर्ष तक केवल 50 मास्टर ट्रेनर्स संस्थान के कार्यक्रमों के लिए प्रयासरत थे, किन्तु वर्ष 2022 में विशेष प्रयासों के साथ 59 नए मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण कराया गया। संस्थान का प्रयास है कि शीघ्र ही प्रदेश के सभी जिलों में कम से कम दो मास्टर ट्रेनर्स तैयार हों, वर्तमान में प्रदेश के केवल 46 जिलों में मास्टर ट्रेनर्स उपलब्ध हैं।

राज्य आनंद संस्थान के कार्यक्रमों के व्यस्थित संचालन हेतु इस माह वर्ष के तीसरे ToT का आयोजन पुणे के नजदीक पंचगनी स्थित इनीशिएटव ऑफ चेंज संस्थान में किया गया। जिसमें प्रदेश के 15 जिलों के 18 लोगों ने भाग लिया, जिनमें होशंगाबाद के ओमप्रकाश विश्वकर्मा, सिवनी के सूर्य प्रकाश विश्वकर्मा, देवास की सुश्री सफिया कुरैशी, झाबुआ की सुश्री स्नेहा गीते, रतलाम के गिरीश सारस्वत एवं सुश्री अणिमा आचार्य, टीकमगढ़ के रवीन्द्र यादव, उज्जैन की श्रीमती प्रभा बैरागी एवं चन्द्रपाल जोशी, अनूपपुर के राम कुमार राठौर, खंडवा की सुश्री दीपका मिश्रा, शिवपुरी के रिजवान खान, मंदसौर की डॉ. विनीता कुलश्रेष्ठ, बैतूल के दिलीप गीद, भोपाल के अमिताभ श्रीवास्तव, रायसेन के चेतन राय, उमरिया की श्रीमती कुसुम पाठक एवं श्रीमती प्रतिभा कटारे शामिल रहीं।

श्री अखिलेश अर्गल
मुख्य कार्यपालन अधिकारी,
राज्य आनंद संस्थान

नव वर्ष की सभी साथियों को हार्दिक शुभकामनाएं। साथियों हमने नये वर्ष में प्रवेश के साथ अपने मास्टर ट्रेनर्स की संख्या को 100 के पार ले जाने में सफलता प्राप्त की है। हमारा पहला लक्ष्य हर जिला मुख्यालय पर दो मास्टर ट्रेनर्स तैयार करना है, जो शायद इस वित्तीय वर्ष में प्राप्त हो जाएगा। अगला लक्ष्य प्रत्येक ब्लाक स्तर पर दो मास्टर ट्रेनर्स तैयार करना है।

संस्थान द्वारा मदद के भाव तथा Joy of giving को बढ़ावा देने हेतु आनंद केन्द्र की अवधारणा विकसित की थी। इन केन्द्रों की उपयोगिता बढ़ाने हेतु इन्हें कवर्ड कैम्पस में शिफ्ट करने तथा इनको विभिन्न गतिविधियों से जोड़ने की आवश्यकता है। इस दिशा में सभी आनन्दकों एवं आनन्द क्लब से सहयोग अपेक्षित है।

पूरे प्रदेश में 14 जनवरी से 28 जनवरी के बीच आनन्द उत्सव मनाया जाना है। इस दिशा में सभी आनन्दकों की सक्रिय भागीदारी अपेक्षित है। मुझे उम्मीद है कि इस नये वर्ष में हम आनन्द के प्रसार के लिए और उत्साह से कार्य करेंगे।

एडवांस प्रशिक्षण में सीखे प्रशिक्षण के गुन

राज्य आनंद संस्थान के कार्यक्रमों को गहराई से स्वयं के जीवन में उतार कर इनसे उपजे अनुभवों के माध्यम से दूसरों के लिए प्रेरणा बने मास्टर्स ट्रेनर्स के लिए एडवान्स प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

19 दिसम्बर से 21 दिसम्बर 2022 को भोपाल के भूमि एवं जल प्रबंधन संस्थान में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यशाला में द लर्निंग सर्कल नासिक के प्रशिक्षक श्री अरविन्द चितवले एवं उनकी सहयोगी सुश्री ज्योति अरोरा ने प्रतिभागियों को संचार कौशल, प्रशिक्षण प्रबंधन, मूल्य, टूल का इस्तेमाल आदि के संबंध में व्यावहारिक जानकारी दी। प्रशिक्षण में राज्य आनंद संस्थान के 27 मास्टर ट्रेनर ने भागीदारी की।

संपादन : सत्यप्रकाश आर्य, **सहयोग :** अनिल वर्मा,

स्वैच्छिक सेवा दिवस

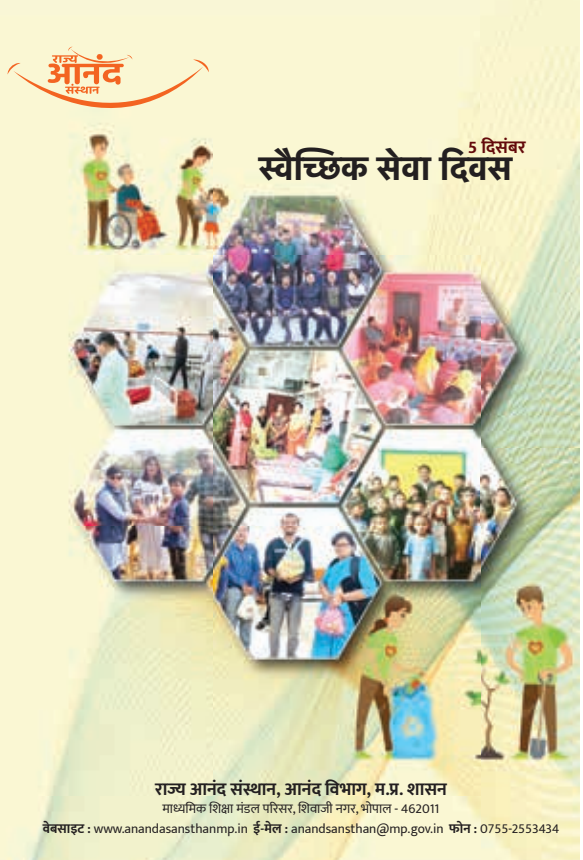

5 दिसंबर को अंतर्राष्ट्रीय स्वैच्छिक सेवा दिवस को मध्यप्रदेश में भी मनाया गया। राज्य आनंद संस्थान से जुड़े आनंद क्लबों, जिला संपर्क व्यक्ति तथा आनंदकों के सहयोग से प्रदेश के विभिन्न जिलों में इस दिवस पर अलग-अलग कार्यक्रमों व गतिविधियां की गईं।

एक तरफ बुरहानपुर में आनंद क्लब के सदस्यों द्वारा वृद्धाश्रम में रहने वाले लोगों को फल-फूल भेंट करते हुए डॉक्टरों द्वारा उनका स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया, वहीं जबलपुर में आनंदकों ने गरीब बस्ती के अनाथ बच्चों के साथ क्रिकेट मैच व खो-खो का खेल खेला। रोटी दर्पण बैंक ने मरीज व उनके परिचायकों को भोजन वितरण किया। रतलाम में आनंदकों ने अंतर्राष्ट्रीय स्वैच्छिक सेवा दिवस का बाल चिकित्सालय में मनाया। सभी आनंदकों ने मरीजों के परिजनों से बात कर मरीजों के हाल जाने तथा उनके शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की। सतना में इस दिवस पर जिले की आनंदम टीम ने ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति माधवगढ़ के सहयोग से वार्ड नंबर 16 के कृपालपुर टामस नदी के घाट में साफ सफाई की एवं वार्ड वासियों से आग्रह किए किं घाट में गंदगी ना करें

मदद के भाव को बढ़ाने में जुटे और आनंदम केन्द्र

अपनी आवयश्कता से अधिक वस्तुएं दूसरों के उपयोग के लिए छोड़ना तथा अपनी आवश्यकता के लिए वस्तुएं प्राप्त करने का केन्द्र है, आनंदम केन्द्र। प्रदेश के विभिन्न जिलों में 172 आनंदम केन्द्रों के माध्यम से राज्य आनंद संस्थान के साथ जुड़े आनंद क्लब व आनंदक स्थानीय प्रशासन एवं स्वैच्छिक संस्थाओं की मदद से यह कार्य कर रहे हैं। इस माह प्रदेश में तीन नए आनंदम केन्द्र स्थापित हुए हैं, जो सेवा भाव को और विस्तारित करने में सहयोगी हो सकेंगे। ये केन्द्र हैं (1) पुराना रोडवेज, डिपो परिसर, ए.बी. रोड, शाजापुर (2) खुशहाली घर, शासकीय हास्पिटल के सामने सनावद रोड, खरगोन (3) जनपद पंचायत कार्यालय छपरा, सिवनी।

आनंद शिविर

राज्य आनंद संस्थान द्वारा शासकीय एवं अशासकीय आनंदकों को परिपूर्ण जीवन जीने की विधा सिखाने तथा उनमें सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए ''आनंद शिविर'' आयोजित किए जाते हैं। कोविड संक्रमण की वजह से विगत दो साल से यह कार्यक्रम स्थगित रहा है, इस वर्ष से पुन: आनंद शिविर का आयोजन किया जा रहा है। आर्ट ऑफ लिविंग के साथ वर्ष का पहला आनंद शिविर दिनांक 19 से 22 दिसंबर 2022 को बैंगलुरु में किया गया। इस शिविर में मध्यप्रदेश के 42 प्रतिभागियों ने भागीदारी की।संस्थान द्वारा हार्टफुलनेस के साथ भी आनंद शिविर की संभावना पर विचार किया जा रहा है। भविष्य में और भी संस्थाओं के साथ आनंद शिविर आयोजित किए जाने के लिए उनके कार्यक्रमों का परीक्षण किया जा रहा है, जिससे ज्यादा से ज्यादा लोगों को इस कार्यक्रम का लाभ मिले।

आनंद उत्सव की तैयारी जोरों पर

इस माह मनाया जाएगा आनंद उत्सव

प्रदेश में 10 हजार से अधिक स्थानों पर आनंद उत्सव मनाने की तैयारी जोर-शोर से चल रही है। आनंद विभाग के प्रमुख सचिव श्री संजीव कुमार झा एवं राज्य आनंद संस्थान के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अखिलेश अर्गल द्वारा 15 दिसंबर को जिलों में कार्यरत नोडल अधिकारी, जिला संपर्क व्यक्ति, आनंदम सहयोगी, आनंद क्लब तथा आनंदकों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से हर जिले में आनंद उत्सव की तैयारियों की समीक्षा की तथा आवश्यक दिशा-निर्देश व सुझाव दिए।

आनंद उत्सव 2023

प्रतिस्पर्धा की जगह सहभागिता को बढ़ावा देने तथा बड़ी उम्र के नागरिकों को खेलकूद व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से जीवंतता को प्रोत्साहित करने के लिए आनंद उत्सव मनाया जा रहा है। आनंद उत्सव के दौरान प्रयास रहेगा कि समाज के सभी वर्गों की जाति, उम्र, लिंग, सामाजिक स्थिति का भेद समाप्त करते हुए सभी को उत्सव की गतिविधियों में शामिल किया जाए।

प्रदेश के कई जिलों में जिला कलेक्टर तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास द्वारा आनंदकों के साथ चर्चा कर अपने-अपने जिले में आनंद उत्सव मनाने की तैयारी कर रहे हैं।आगामी जनवरी के प्रथम सप्ताह तक प्रदेश के सभी जिलों की तैयारी पूर्ण होने की उम्मीद है।

राज्य आनंद संस्थान के आनंद उत्सव प्रभारी डॉ. के.पी. तिवारी ने बताया कि जीवंत सामुदायिक जीवन नागरिकों की जिन्दगी में आनंद का संचार करता है। इसी तथ्य को ध्यान में रखते हुये विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी दिनांक 14 से 28 जनवरी 2023 के मध्य आनंद उत्सव-2023 है।